

Shri Hari Vishnu Kamath: I am not making any statement, but a charge. First, is the Government aware of it and if so what steps are being taken?

Shri Y. B. Chavan: I do not think there is any organised attempt like that. But I can say that the very fact that we could detect this particular espionage itself is proof of our awareness and our efforts.

Shri Hari Vishnu Kamath: The Defence Minister is one of the most responsible Ministers in the Cabinet and he should not treat this question with such indifference bordering on disdain. This is not the way of answering questions in Parliament. He says they have arrested one man and that shows their awareness. This officer was arrested on the 4th December and they have suppressed that thing. The Press came out with the news. What is all this coming to? Does it mean that the Government is not serious about the defence of the country, does it mean that they are sleeping on the treasury benches?

Mr. Deputy-Speaker: Order, order. Shri Mohan Swarup.

Shri Hari Vishnu Kamath: What is "Order, order", Sir? You have called me to order, but this is not the way for the Defence Minister to answer my question.

श्री मोहन स्वरूप (पीलीभीत) : आज की पृष्ठभूमि में जब कि देश के सामने भारी खतरा है, प्रतिरक्षा मंत्रालय में यह दूसरा अवसर है कि इस तरह की भारत के विरुद्ध जासूसी की बात पाई गई है, तो मैं जानना चाहता हूँ कि इस की रोकथाम के लिए क्या कार्यवाही आदि की जा रही है और क्या माननीय मंत्री इस तरह की आपत्तिजनक कार्यवाहियों को रोक सकने के लिए जागरूक हैं ?

श्री यशवन्तराव चव्हाण : मैं ने जवाब में कहा है कि हम जागरूक हैं और यह गिरफ्तारी

और कार्यवाही आदि इस बात का सबूत है कि हम काफी जागरूक हैं ।

(iii) REPORTED TRESPASSING BY PAKISTAN RIFLES INTO LOBACHERRA

Shri Bado (Khargone): I call the attention of the Prime Minister to the following matter of urgent public importance and I request that he may make a statement thereon:—

"The reported trespassing of Pakistan Rifles into Lobacherra in Khasi and Jaintia Hills area and firing on Assam Border Police."

The Prime Minister, Minister of External Affairs and Minister of Atomic Energy (Shri Jawaharlal Nehru): On the 9th December, reports were received by the Chief Secretary of Assam that at 9:10 in the morning of that day, that an Indian patrol consisting of three men and one Havildar in Lobacherra area in the southern portion of the international boundary in Khasi Hill in Pakistan were encountered and challenged by some Pakistanis claiming this area. The situation developed into an exchange of fire. Immediately the fire was opened. Pakistan patrol fled into their territory. Our men remained in position up to 16.00 hours and returned to the BOP the same day—I suppose BOP means border out-post. On the 10th, an Indian patrol party of one NCO and 9 constables visited the area when Pakistan EPR personnel ambushed them and opened fire. Our party returned the fire. The exchange of fire was continuing at the time the report was received. No casualties on either side were reported. We are awaiting further information from Assam.

I might mention that demarcation in this area has already been completed.

श्री बड़े : क्या यह बात सच है कि वहां पर पाकिस्तान के जिन सिपाहियों ने आ कर फायरिंग किया, उन्होंने, वहां हमारे जो पिल्लज गड़े हुए हैं, उन के आदर आ कर आक्रमण किया ? यदि हां, तो फिर हमारी तरफ से वहां पर मिलिटरी भेज कर उन को जवाब क्यों नहीं दिया जाता है ? क्या पाकिस्तान अब भी उस क्षेत्र को डिस्पूटिड एरिया समझता है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : मैं नहीं जानता कि वहां पर ब्रीडरी पिल्लज हैं या नहीं, लेकिन वह डिमार्केंट हो चुका है और मुमकिन है कि पिल्लज लग गये हों ।

श्री बड़े : प्रैम में आया है कि वहां पर पिल्लज गड़े हुए हैं ।

श्री जवाहरलाल नेहरू : हो सकता है, लेकिन बहरमूरत यह डिमार्केंट हो चुका है और जब पाकिस्तानी आये थे, तो उन पर फायरिंग हुई थी और वे चले गये वहां से । यही मैं ने पढ़ कर सुनाया । फिर दोबारा वे आये और फिर फायरिंग हुई ।

Shri Bade: Now there is no dispute about land?

Mr. Deputy-Speaker: No.

श्री कछवाय : इस सम्बन्ध में हमेशा विरोध-पत्र पहुंचाना सरकार का स्वभाव रहा है । क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या विरोध-पत्र पहुंचाने के अलावा सरकार का कुछ और भी करने का इरादा है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : माननीय सदस्य ने गौर से सुना नहीं कि मैं ने क्या कहा ।

श्री कछवाय : क्या भारत सरकार ने पाकिस्तान सरकार को इस सम्बन्ध में कोई विरोध-पत्र पहुंचाया है, जैसा कि उस का स्वभाव बन गया है, और क्या उस के अलावा वह कुछ और कड़ी कार्यवाही कर रही है ?

श्री जवाहर लाल नेहरू : माननीय सदस्य मुनें कि मैं ने क्या जवाब दिया है । विरोध-पत्र गया है या नहीं, मुझे नहीं मालूम । लेकिन अगर विरोध पत्र पहुंचाने का स्वभाव बन जाये, तो वह बहुत अच्छा स्वभाव है । गौर विरोध-पत्र के आदमी लड़ाई नहीं करता है । लड़ाई भी होती है, तो विरोध-पत्र के बाद होती है । जहां तक इस वाक्ये का ताल्लुक है, फायरिंग हुई और वे वहां से हटा दिये गये । अब माननीय सदस्य और क्या चाहते हैं ?

श्री ब : गोली का जवाब गोली से दया जाये ।

Shrimati Jyotsna Chanda (Cachar): May I know whether any Pakistani was arrested while the firing was going on?

Shri Jawaharlal Nehru: Nobody was arrested.

श्री यशपाल सिंह : हम रोजाना प्रेस में पढ़ते हैं कि पाकिस्तान राइफल्स आ कर गोली चलाते हैं । तो क्या ऐसा कोई इन्तजाम किया जा रहा है कि वहां पर हमारी फौज बढ़ाई जाये और वहां पर हमारे इतने गार्ड्ज रहें कि दुश्मन को वहां घुसने का मौका न मिले ।

श्री जवाहरलाल नेहरू : एक लम्बी फंटियर पर हर जगह सिपाही खड़े रहें, ताकि दुश्मन को घुसने का मौका न मिले और दूसरे न आ सकें, यह तो जाया करना है अपनी फौज को । जब वे आयें; तो उन का मुकाबला करना चाहिए, उन को हटाना चाहिए और वही यहां हुआ ।

Shri P. Venkatasubbaiah (Adoni): May I know to what extent the East Pakistan Rifles made intrusions into our border line and what was the actual extent of area that has been intruded by them?

Shri Jawaharlal Nehru: What area? I can't give the exact area. It was very near; it was just an intrusion across the border.

Shri Swell: It is heartening to hear from the Prime Minister that our troops returned the firing and after the return of the firing, the East Pakistan Rifles had to withdraw and, I suppose, our forces were in possession of their positions. May we have the assurance from the Prime Minister that this pattern of sternness will be followed henceforward in dealing with Pakistan?

Shri Jawaharlal Nehru: I cannot give an assurance about hypothetical instance that might happen. It depends on how it happens. Naturally, our general practice is to push any intruder out.

Shri Kapur Singh (Ludhiana): May I request the Prime Minister to make a positive reply as to whether these recurrent provocations by Pakistan spell out some cause of serious concern for the nation?

Mr. Deputy-Speaker: It is a matter of opinion.

Shri Kapur Singh: This is a question which everybody is asking in the streets. This is a question with which the whole House feels concerned. We want to know what our Prime Minister thinks about it.

Mr. Deputy-Speaker: No, no.

Shri S. M. Banerjee: It appears clear to me from the Statement that..

Mr. Deputy-Speaker: What is your question? We do not want your opinion.

Shri S. M. Banerjee: May I know whether it is a fact that there is a calculated move on behalf of Pakistan to send the East Pakistan Rifles in those areas and provoke the Government of India to take any drastic step and to have a clash? I want to

know if this is true and, if so, what concrete steps have been taken by the Government of India to counteract this both politically and with armed sticks?

Mr. Deputy-Speaker: An answer has been given.

Shri Jawaharlal Nehru: I do not understand what the hon. Member expects me to say about counteracting the border intrusion by political steps.

Shri S. M. Banerjee: Both politically and with armed sticks.

Shri Jawaharlal Nehru: About the other steps, I mentioned what were taken. They were pushed out. The political step can only be, as some hon. Member put it, a protest note.

Shri S. M. Banerjee: You have pushed them out from this area. But what about the other area which is occupied.... (*Interruption*).

Mr. Deputy-Speaker: Order, order. No, no.

श्री बडे : श्री कपूर सिंह और माननीय सदस्य के प्रश्नों का तात्पर्य यह है कि क्या पाकिस्तान का इरादा हम पर हमला करने का तो नहीं है।

Mr. Deputy-Speaker: After your question, we have covered 7 or 8 questions more.

Shri P. C. Borooah (Sibsagar): May I know whether any bigger trouble by East Pakistan is considered imminent in view of these repeated provocations?

Shri Jawaharlal Nehru: I cannot give a definite reply. But I do not think so.

श्री मोहन स्वरूप : चूंकि अखबारों में रोजाना इस तरह की खबरें छपती हैं, इसलिए मैं जानना चाहता हूँ कि कौन सा हिस्सा

ऐसा है, जो कि पाकिस्तान के कब्जे में आ गया है, जहाँ से हम उस को हटा नहीं सके हैं। जब फायरिंग होती है, तो प्रैस में यह खबर छपती है कि कोई आदमी नहीं मारा गया। मैं यह जानना चाहता हूँ कि जब गोलियाँ चलती हैं, तो क्या वाकई कोई नहीं मारा जाता है या उस को उठा लिया जाता है।

श्री जवाहरलाल नेहरू : माननीय सदस्य पूछने हैं कि कौन हिस्सा उन के कब्जे में है। किस जगह पर किस के कब्जे में है? क्योंकि वे तो हटा दिये गये हैं। और जगह के बारे में मैं नहीं कह सकता, क्योंकि और जगह हैं, जो बहस-तलब हैं। वहाँ ऐसी कश्मकश हुआ करती है कि वे आ गये और हटा दिये गये। एक-आध जगह, लाठीटीला की थोड़ी सी जगह पर वे कायम हैं। जहाँ तक जमीन के हिस्से का ताल्लुक है, बहुत कम जमीन है, यानी ती गज या पचास गज इधर हो। ऐसा कहीं कहीं होता है।

Mr. Deputy-Speaker: Your letter has been forwarded to the Ministry. As soon as the reply is received, what action is to be taken will be taken.

डा० राम मनोहर लोहिया : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आप की सेवा में अर्ज करूँगा कि चीन के नेता लोग तब तक हिन्दुस्तान की हवा का इस्तेमाल कर चुके होंगे और हम उन को रोक नहीं पायेंगे। विदेश मंत्री ने यह गलत बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर वे और किसी रास्ते से जाते, तो उन को लम्बा रास्ता पड़ता। बल्कि लम्बा रास्ता हिन्दुस्तान का पड़ रहा है।

Mr. Deputy-Speaker: Papers to be laid on the Table. Shri Humayun Kabir.

डा० राम मनोहर लोहिया : मैं एक व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहता हूँ। अध्यक्ष के आदेशों वाली जो धारा ११५ है,

Mr. Deputy-Speaker: Order, order. I have told the hon. Member that I have received the letter and it has been referred to the Ministry. As soon as the reply is received, action will be taken.

श्री राम सेवक यादव (बाराबंकी) : श्रीमन्, व्यवस्था का प्रश्न उठाया जा रहा है। जब तक आप उस को सुनेंगे नहीं, तब तक आप कैसे समझ लेंगे कि वह व्यवस्था का प्रश्न नहीं है ?

Mr. Deputy-Speaker: There is no point of order. There cannot be a point of order on a question which is not before the House. Shri Humayun Kabir.

डा० राम मनोहर लोहिया : मैं धारा ११५ पढ़ कर सुनाता हूँ। उस में लिखा हुआ है

Mr. Deputy-Speaker: We have finished one item. We are on the other item.

12.26 hrs.

ALLEGED INACCURACY IN STATEMENT OF PRIME MINISTER

उपाध्यक्ष महोदय : पेपर्स टु बि लेड आन दि टेबल।

डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, विदेश मंत्री की गलतियों को सुधारने के लिए मैं ने आप को अध्यक्ष के आदेश ११५ के तहत कल खत लिखा था।

उपाध्यक्ष महोदय : वह मिनिस्ट्री को भेज दिया गया है। जवाब आने के बाद देखा जायेगा कि उस पर क्या कायवाही हो सकती है।

डा० राम मनोहर लोहिया : तब तक चीन के नुटेरे हिन्दुस्तान की हवा का इस्तेमाल कर चुके होंगे।